592

MARJ-03

December - Examination 2018

M.A.(Previous) Rajasthani Examination

राजस्थानी साहित्य रौ इतिहास

Paper - MARJ-03

Time : 3 Hours] **[Max. Marks :- 80**

निर्देश : औ प्रश्न पत्र तीन खण्ड 'अ' 'ब' अर 'स' में बंट्योड़ौ है। खण्ड 'अ' मे साव छोटा सवाल, खण्ड 'ब' में छोटा सवाल अर खण्ड 'स' में निबन्धात्मक सवाल दियौड़ौ है।

खण्ड – 'अ' **$8 \times 2 = 16$**

(अति लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : इण खण्डरा सगळां सवाल करणा जरूरी है। आपरौ पड़ूतर अेक सबद, अेक वाक्य या अधिकतम 30 सबद सूं बैसी नीं हुवणौ चाहिजै।

1) (i) लौकिक संस्कृत में रचित कोई दोय रचनावां रा नाम लिखो।

(ii) 'भरइ पलट्टई भी भरइ' उपरोक्त ओळी किण काव्य री है।

(iii) भाषा सबद री उत्पत्ति किण धातु रूप सूं व्हीं है।

(iv) नागरी लिपि रौ प्रयोग किण ग्रन्थ में मिळे है?

(v) मेवाती बोली री उप–बोलियां रा नाम बतावो।

(vi) डिंगल अर पिंगल कांई है?

(vii) समास रा कोई तीन भेदांरा नाम बतावो।

(viii) ऊँट रा कोई तीन पर्यायवाची सबद लिखो।

खण्ड – ब **4 × 8 = 32**

(लघु उत्तरीय प्रश्न)

निर्देश : नीचे लिख्यां सवाला मांय सूं किणी चार सवालां रौ पड़ूत्तर दिरावो। सबद सीमा 200 सबद है।

2) अपभ्रंश भाषा री प्रमुख विसेषतावां बतावो।

3) भाषा अर लिपि में कांई अंतर है?

4) नागरी लिपि रै अंका रौ विकास दरसावो।

5) राजस्थानी भाषा री प्रमुख विसेसतावां नै उजागर करो।

6) डिंगल अर पिंगल काव्य सौलियां में कांई अंतर है?

7) लोकोक्तियाँ रौ साहित्य में कांई महत्व है?

8) व्याकरण में क्रिया रौ महत्व दरसावो।

9) राजस्थानी मध्यकालीन साहित्य रौ परिवेस दरसावो।

खण्ड – स **2 × 16 = 32**

(निबन्धनात्मक प्रश्न)

निर्देश : नीचै लिख्यां सवालां मांय सूं कोई दोय सवाल करणा है। सबद सीमा ५०० सबद है।

10) प्राकृत भाषा रा भांत–भांत अपभ्रंश रूपों पर लेख लिखो।

11) लिपि री परिभाषा देवतां थकां लिपि री उत्पत्ति विकास पर प्रकाश डालो।

12) आदिकाल रौ चारण साहित्य पर अेक टीप लिखो।

13) आधुनिक राजस्थानी काव्य री प्रमुख काव्यधारा पर लेख लिखो।